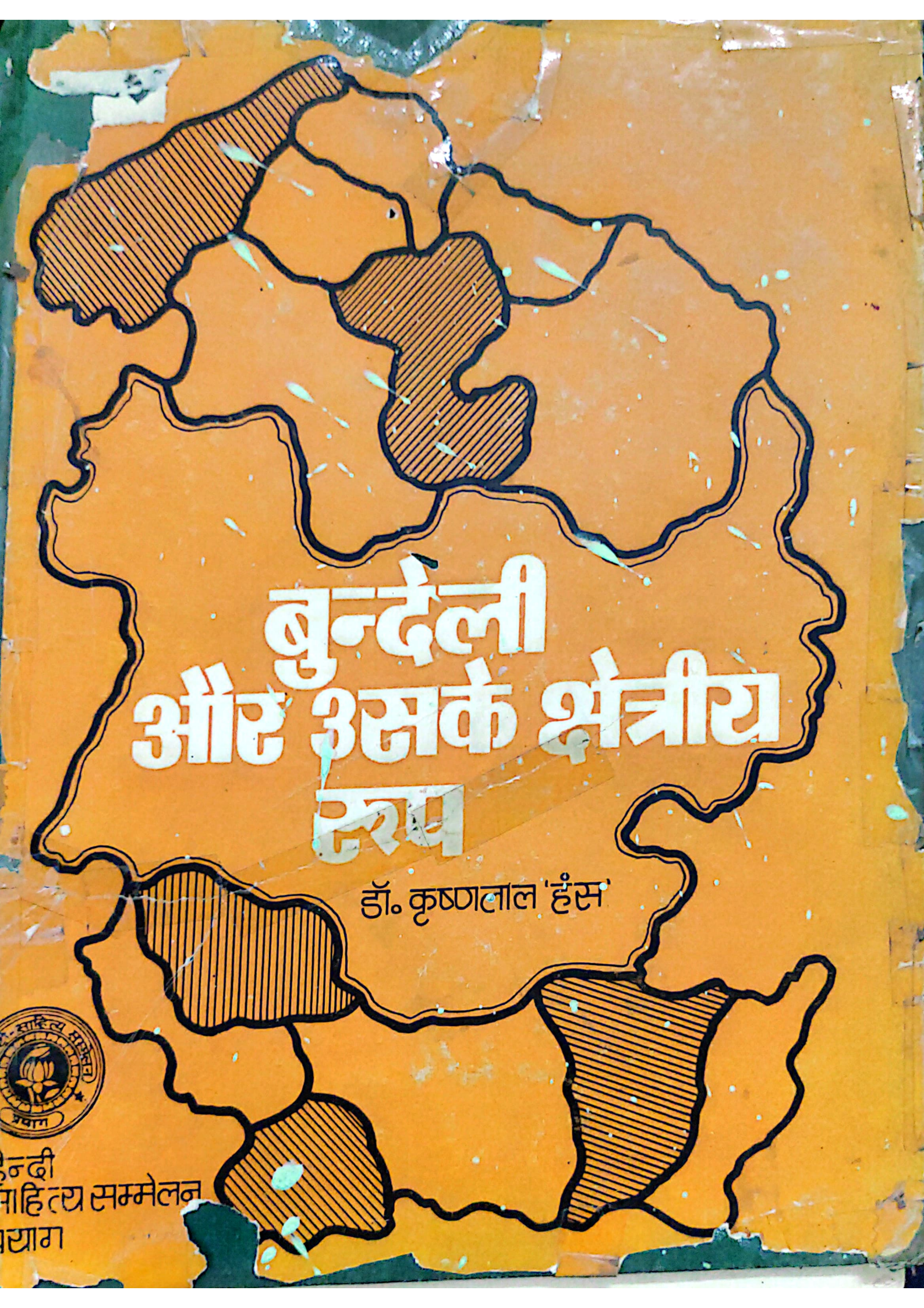

बुन्देली और उसके क्षेत्रीय रूप

डॉ० कृष्णलाल 'हंस'

हिन्दी साहित्य सम्मेलन
प्रयाग

सागर विश्वविद्यालय द्वारा सहयोजित

बुन्देली और उसके क्षेत्रीय रूप

(एक भाषा-वैज्ञानिक अध्ययन)

⊙

लेखक

डॉ० कृष्णलाल 'हंस'

शक १८९७ : सन् १९७६ ई०

हिन्दी साहित्य सम्मेलन • प्रयाग

प्रकाशक

प्रभात शास्त्री

प्रधानमंत्री : हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

⊙

प्रकाशन वर्ष : शक १८९७ : सन् १९७६ ई०

संस्करण : प्रथम ११०० प्रतियाँ

मूल्य : पैंताव

⊙

मुद्रक

प्रभात शास्त्री

सम्मेलन मुद्रणालय, प्रयाग

साहित्य सम्मेलन प्रयाग

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
१२, सम्मेलन मार्ग, इलाहाबाद
मूल्य 60-00

विषयानुक्रम

उपोद्घात

बुन्देलखण्ड और बुन्देली १–१५

नामकरण १, विविध मान्यताएँ १, सीमा ४, हिन्दीभाषी क्षेत्र ७, बुन्देलीभाषा क्षेत्र ९, बुन्देली अथवा बुन्देलखण्डी १३, भाषायी सीमा १३।

प्रथम खण्ड

बुन्देली का उद्भव

१. बुन्देली का उद्भव १७

ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि १७, आर्यों का भारत-प्रवेश १७, अपभ्रंश का विकास २०, बुन्देली का उद्भव, बुन्देली की उद्भव कालीन भाषायी पृष्ठभूमि २७, प्रथम सोपान—शौरसेनी अपभ्रंश २७, अपभ्रंश रूपों का प्राचीन हिन्दी में परिवर्तन २७, द्वितीय सोपान—प्राचीन हिन्दी २८, राउल बेल २८, सन्देश रासक २८, प्राकृत पैंगलम २९, बीसलदेव रासो ३०, उक्ति व्यक्ति प्रकरणम् ३१, पुरान प्रबन्ध संग्रह ३२, रामायण कथा ३२, छिताई चरित ३४, मैनासत ३६, तृतीय सोपान—बुन्देली तथा अन्य प्रादेशिक बोलियों का उद्भव ३८।

२. बुन्देली का विकास ४०

१. काव्यभाषा के रूप में विकास—ओरछा दरबार के बुन्देली-कवि ४१, पन्ना दरबार के कवि ५१, दतिया दरबार के कवि ५६, अजयगढ़-दरबार के कवि ५७, अन्य कवि ५७, बुन्देली में रासो-परम्परा ६२,—दलपतिराय रायसो ६२, सत्रुजीत रायसो ६५, पारीछत रायसो ६६, बाघाइट राइसो ६६, लक्ष्मीबाई रासो (प्रथम) ६८, लक्ष्मीबाई रासो (द्वितीय) ६९।

२. राजभाषा के रूप में विकास—सनद ७५ (सं० १६३५ वि०), सनद (सं० १७३० वि०), सनद (सं० १७४५ वि०), ताम्रपत्र (सं० १७५५ वि०), ताम्रपत्र ८०, (सं० १७६४ वि०), ताम्रपत्र (सं० १७७१ वि०), पत्र सं० १७८३ वि० ८२, १७८७, १८१४, १८१९, १८२६ शिलालेख ८४ (सं० १८२६ वि०), पत्र सं० १८४०, १८४१, इकरारनामा ८७ सं० १८६९, पत्र सं० १८७८, १८८८ तथा सं० १९१४ वि० ८८-८९।

३. ओरछाराज्य के रूप में विकास ९२, ओरछाधीश ९२, ओरछाचकाई ९२, बीरसिंहजी और मुगलों ९२, बुन्देलखण्ड ९३।

३. बुन्देली की शब्द-सम्पत्ति ९५

संस्कृत-तत्सम ९५, अर्ध-तत्सम ९७, तद्भव ९८, देशज शब्दावली १०३, अन्यदेशज शब्दावली ११७, विदेशी शब्दावली ११९, बुन्देली की विशिष्ट शब्दावली १२०, परिवारजन १२०, पशु १२१, अन्न १२२, आभूषण १२२, कुछ व्यापार १२२, हिन्दी इतर आर्य-परिवार की भाषाओं (मराठी, बंगला, ब्रजभाषा, अवधी, भोजपुरी, छत्तीसगढ़ी, कन्नौजी, जयपुरी, मारवाड़ी, मालवी, निमाड़ी, दक्खिनी हिन्दी) से गृहीत शब्द १२८, द्रविड़ भाषा-परिवार (तेलुगु, गोंडी, मलयालम) से गृहीत शब्द १२८।

द्वितीय खण्ड

ध्वनिग्रामिक एवम् पदग्रामिक अध्ययन

४. ध्वनिग्रामिक अध्ययन १२९

स्वर १२९, बुन्देली के स्वरों की स्थिति १२९, स्वर ध्वनिग्राम एवम् उनके सहस्वन १३०, आनुनासिक प्रयोग १३१, दीर्घ आक्षरिक १३४, अनाक्षरिक प्रयोग १३४, संयुक्त स्वर के रूप में १३७, स्वर-संयोग १३८, दो स्वरों का संयोग १३९, तीन स्वरों का संयोग १४२, चार स्वरों का संयोग १४२, निश्चर्य १४३, स्वर से १४४, स्वर-लोप १४६, स्वर-विपर्यय १४६, स्वर-परिवर्तन से अर्थ-परिवर्तन १४७, व्यञ्जन १४७, व्यञ्जन-विभाजन १४७, व्यञ्जन ध्वनिग्रामों के सहस्वन एवम् ध्वनिग्रामीय स्थिति १४९, नासिक्य व्यञ्जन ध्वनि १५९, स्वरों के साथ १५९, व्यञ्जनों के साथ १६०, व्यञ्जन-गुच्छ १६१, व्यञ्जन-विपर्यय १६४, व्यञ्जनागम १६४, व्यञ्जन-लोप १६५, व्यञ्जन-परिवर्तन से अर्थ-परिवर्तन १६५।

५. ध्वनिग्रामिक संगठन १६६

अक्षर १६६, बुन्देली अक्षरों की स्थिति १६६, शब्द १६८, बुन्देली-शब्दों का स्वरूप १६९, कुछ वैशिष्ट्य १७१, प्रतिध्वनित शब्द १७२, अनुदित सामासिक शब्द १७२, संयोजित सामासिक शब्द १७२, शब्दाधिकरण १७३, शब्द-निर्माण १७४, पूर्व प्रत्ययों उपसर्गों के योग से निर्मित शब्द १७४, पर प्रत्ययों के योग से निर्मित शब्द १७६, संकर शब्द १७७, बलाघात, सुर, सुर लहर १७७, वाक्य-विन्यास १८१, वाक्यों के प्रकार १८२, साधारण वाक्य १८२, संयुक्त वाक्य १८३, संज्ञा उपवाक्य १८३, विशेषण उपवाक्य १८३, क्रिया विशेषण उपवाक्य १८४।

६. पदग्रामिक अध्ययन (१) विकारी रूप १८५

संज्ञा—शब्दारम्भ १८५, शब्दान्त १८६, संज्ञा प्रातिपदिक १८७, संज्ञा प्रातिपदिकों का विभाजन १८८, बुन्देली-संज्ञा शब्दों की विशेषताएँ १८९, बुन्देली संज्ञा-शब्दों के निर्माण में प्रत्ययों का योग १८९, पुल्लिग संज्ञा शब्द (प्राणि वाचक, अप्राणिवाचक) १९३, स्त्रीलिंग संज्ञा-शब्द (प्राणि वाचक, अप्राणिवाचक) १९४, लिंग सम्बन्धी कुछ विशेषताएँ १९५, लिंग-निर्णय (शब्द-रचना के आधार पर १९५, सन्दर्भ के आधार पर १९६, संयोजित प्रत्ययों के आधार पर) १९६, लिंग-परिवर्तन १९७ (पुल्लिग से स्त्रीलिंग १९७; स्त्रीलिंग से पुल्लिग १९८), बुन्देली के लिंगों का विकास १९८, वचन १९९, एक वचन से बहुवचन बनाने की प्रक्रिया २००, रूप-रचना—मूल एक वचन २०१, मूल बहुवचन २०१, तिर्यक बहुवचन २०१, बुन्देली के वचनों का विकास २०२, कारक २०३, परसर्ग-प्रयोग २०५, कारक-प्रयोग २०५, प्रयोग विषयक कुछ वैशिष्ट्य २११, बुन्देली-कारक परसर्गों की व्युत्पत्ति २१३, तुलनात्मक विवेचन २१६।

सर्वनाम २१७—सर्वनामों का विभाजन २१७, पुरुष वाचक सर्वनाम २१८, निज वाचक सर्वनाम २२१, निश्चयवाचक २२१, प्रयोग, अनिश्चय वाचक सर्वनाम २२३, प्रयोग २२३, सम्बन्ध वाचक सर्वनाम २२४, प्रयोग २२५, प्रश्नवाचक सर्वनाम २२५, प्रयोग २२५।

विशेषण—विशेषण के प्रकार २२७, गुणवाचक २२८ रूपान्तरित विशेषण गुणवाचक, विशेषण संख्या-वाचक विशेषण २२९, गुणवाचक विशेषण कुछ विशेषताएँ २२९, तुलनात्मक रूप २३०, संख्या वाचक विशेषणों की व्युत्पत्ति २३२, परिमाण वाचक २३२, प्रयोग २३२, कुछ वैशिष्ट्य, सार्वनामिक २३३ विशेषण २३४।

क्रिया—धातुएँ २३५, सिद्ध धातुएँ २३६, साधित धातुएँ २३६, सिद्ध धातुओं के प्रकार (तद्भव सिद्ध धातुएँ, उपसर्ग-युक्त सिद्ध धातुएँ, णिजन्त-सिद्ध धातुएँ, तत्सम सिद्ध धातुएँ, सन्दिग्ध सिद्ध धातुएँ), साधित धातुएँ २३८, (आकारान्त णिजन्त, नाम धातुएँ, मिश्रित अथवा संयुक्त साधित धातुएँ २३९, धातुओं से निर्मित २३९, प्रत्ययों से निर्मित २३९, सन्दिग्ध साधित धातुएँ २४०, स्वरान्त धातुएँ २४०, व्यञ्जनान्त धातुएँ २४१, क्रिया के प्रकार—अकर्मक २४१, अन्य क्रिया रूप २४३, प्रेरणार्थक २४४, विधि क्रिया २४५, पूर्वकालिक क्रिया २४६, सहायक क्रिया २४६, संयुक्त क्रिया २४७, संयुक्त क्रिया के प्रकार २४७, क्रियार्थक संज्ञा २४९, वाच्य (कर्तृ वाच्य, कर्म वाच्य, भाव वाच्य) २५१, वाच्य-परिवर्तन २५२, प्रयोग (कर्तृरी प्रयोग, कर्मणि प्रयोग, भाव प्रयोग), अर्थ २५४ (निश्चयार्थ, सम्भावनार्थ, सन्देहार्थ, संकेतार्थ, आज्ञार्थ), काल २५५ काल-विभाजन और रचना-प्रक्रिया २५६, भूतकाल २५७ (सामान्य भूतकाल, आसन्न भूतकाल, पूर्णभूतकाल, हेतु हेतु मदभूत काल, अपूर्ण भूतकाल, सम्भाव्यभूतकाल, सन्दिग्ध भूतकाल,), वर्तमान काल २५९ (सामान्य

वर्तमान काल, अपूर्ण वर्तमान काल, सन्दिग्ध वर्तमान काल, सम्भाव्य वर्तमान काल), भविष्यत काल २६२ (सामान्य भविष्यत काल, सम्भाव्य भविष्यत काल), बुन्देली की काल-रचना विषयक कुछ विशेषताएँ २६४,

पदग्रामीय अध्ययन (२) अविकारी शब्द २६६

क्रिया विशेनण २६६, वर्गीकरण-रूप के अनुसार (मूल, यौगिक, स्थानीय) २६६, प्रयोग के अनुसार २६७ (साधारण, संयोजक, अनुबद्ध), अर्थ के अनुसार २६८ (कालवाचक, स्थान वाचक, रीतिवाचक, परिमाण वाचक), प्रयोग विषयक कुछ विशेषताएँ २७०, सम्बन्ध सूचक अव्यय २७३, रूपात्मक वर्गीकरण २७३ (मूल, यौगिक), प्रयोगात्मक वर्गीकरण २७३ (सम्बद्ध, अनुबद्ध), प्रयोग विषयक वैशिष्ट्य २७४, समुच्चय बोधक अव्यय २७६, प्रकार (समाना-धिकरण, व्यधिकरण), समानाधिकरण के प्रकार (संयोजक, विरोध दर्शक, परिणाम-सूचक) २७६, अधिकरण समुच्चय-बोधक के प्रकार २७७ (कारण वाचक, उद्देश्य वाचक, संकेतवाचक, स्वरूप वाचक), प्रयोग विषयक वैशिष्ट्य २७८, विस्मयादि बोधक २७८ अव्यय २७९, उपसर्ग और प्रत्यय २८२, कृदन्त २८२ (विकारी, अविकारी), विकारी—भाववाचक, करण-वाचक, कर्तृवाचक, कर्म वाचक, गुणवाचक, वर्तमानकालिक, भूतकालिक, अविकारी-क्रियाद्योतक, तात्कालिक, पूर्वकालिक, निर्मिति (संस्कृत प्रत्ययों के योग से, हिन्दी प्रत्ययों के योग से, फारसी प्रत्ययों के योग से) २८६, तद्धित—कर्तृवाचक, भाववाचक, गुण बोधक, सम्बन्ध वाचक, ऊन वाचक २८९, निर्मिति २९० (संस्कृत प्रत्ययों के योग से, हिन्दी प्रत्ययों के योग से, फारसी प्रत्ययों के योग से), समास—संयोग मूलक समास (द्वन्द्व), आश्रय मुलक (तत्पुरुष), कर्मधारय (द्विगु), वर्णानमूलक (वहुव्रीहि) अव्ययी भाव) २९५, बुन्देली में प्रयुक्त समासों की कुछ विशेषताएँ २९६।

तृतीय खण्ड

बुन्देली के क्षेत्रीय रूप

७. बुन्देली का भौगोलिक स्वरूप २९९

क्षेत्र, बुन्देलीभाषी जनसंख्या २९९, भौगोलिक सीमा २९९, भाषायी क्षेत्र-विभाजन ३०१, उत्तरी क्षेत्र ३०२, दक्षिणी क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्र, मध्यवर्ती क्षेत्र, भाषायी रूप ३०४, परिनिष्ठित बुन्देली, शुद्ध बुन्देली, मिश्रित बुन्देली, विकृत बुन्देली—उच्चारण वैशिष्ट्य ३०५, समान रूप में उच्चरित शब्द ३०७, दो प्रकार से उच्चारण शब्द ३०७, कुछ स्थान-निर्देशन ३०८, विश्लेषण ३०९, तीन प्रकार से उच्चरित शब्द ३१०, स्थान-निर्देशन ३११, विश्लेषण ३१२, चार प्रकार से उच्चरित

शब्द ३१२, स्थान-निर्देशन ३१३, विश्लेषण ३१५, पांच प्रकार से उच्चरित शब्द ३१५, स्थान-निर्देशन ३१६, विश्लेषण ३१६, छः प्रकार से उच्चरित शब्द ३१९, स्थान-निर्देशन ३१९, विश्लेषण ३२१, सात प्रकार से उच्चरित शब्द ३२२, स्थान-निर्देशन ३२३, विश्लेषण ३२४, आठ प्रकार से उच्चरित शब्द ३२५, स्थान-निर्देशन ३२५, विश्लेषण ३२६, नौ प्रकार से उच्चरित शब्द ३२७, स्थान-निर्देशन ३२८, विश्लेषण ३२९, दसप्रकार से उच्चरित शब्द ३३०, स्थान-निर्देशन ३३०, विश्लेषण ३३१, ग्यारह प्रकार से उच्चरित शब्द ३३१, स्थान-निर्देशन ३३२, विश्लेषण ३३३, बारह प्रकार से उच्चरित शब्द ३३३, स्थान-निर्देशन ३३४, विश्लेषण ३३५, तेरह प्रकार से उच्चरित शब्द ३३६, स्थान-निर्देशन ३३६, विश्लेषण ३३७, चौदह प्रकार से उच्चरित शब्द ३३७, स्थान-निर्देशन ३३७, विश्लेषण ३३७, निष्कर्ष ३३८।

विभिन्न क्षेत्रीय एकार्थी शब्द ३३८, दो पर्यायवाची शब्द ३३९, कुछ स्थान निर्देशन ३३९, तीन पर्यायवाची शब्द ३४०, स्थान-निर्देशन ३४०, चार पर्यायवाची शब्द ३४१, स्थान-निर्देशन ३४१, पाँच पर्यायवाची शब्द ३४१, स्थान-निर्देशन ३४२, सात पर्यायवाची शब्द ३४२, स्थान-निर्देशन ३४३, आठ पर्यायवाची शब्द ३४४, स्थान-निर्देशन ३४४, नौ र्यायवाची शब्द ३४४, स्थान-निर्देशन ३४४, दस पर्यायवाची शब्द ३४५, स्थान-निर्देशन ३४५, ग्यारह पर्यायवाची शब्द ३४५, स्थान-निर्देशन ३४५।

८. बुन्देली के क्षेत्रीय रूप ३४६

आरम्भीय ३४६, उत्तरी क्षेत्र के बुन्देली-रूप ३४७, ब्रज-कन्नौजी-मिश्रित बुन्देली (भदावजी) ३४८, भदावरी के रूप ३४९, भदावरी की विशेषताएँ ३५१, ध्वन्यात्मक विशेषताएँ ३५१, रूपात्मक विशेषताएँ ३५२, भदावरी के विभिन्न रूप ३५३, ब्रज-मिश्रित रूप ३५३, कन्नौजी-मिश्रित रूप ३५५, तुलनात्मक विवेचन ३५७, ब्रज और बुन्देली, समान रूप और समानार्थी शब्द ३५७, उच्चारण-भेद-युक्त-समानार्थी शब्द ३६०, रूप-साम्य भिन्नार्थी शब्द ३६३, ब्रज-बुन्देली-कन्नौजी (रूपात्मक तुलना) ३६७, खड़ी बोली-प्रभावित बुन्देली प्रधान भदावरी ३७२।

९. दक्षिणी क्षेत्र के बुन्देली रूप ३७६

बैतूल जिले की बोली-रूप ३७६, बालाघाट जिले के बोली-रूप ३७६, रूप-विश्लेषण, छिन्दवाड़ा जिला, छिन्दवाड़ा जिले की बुन्देली के रूप, कोष्ठी बुन्देली, किरारी बुन्देली, रघुवंसी-बुन्देली, चमारी बुन्देली, बंजारी बुन्देली ३८६, गौली बुन्देली ३८७, विकृत बुन्देली की विशेषताएँ ३८९, छिन्दवाड़ा की शुद्ध बुन्देली ३९०, सिघनी जिला ३९१, सिवनी क्षेत्र की बुन्देली ३९१, बारघाट-क्षेत्र की बुन्देली ३९३, अन्य रूप, ३९५।

१०. पूर्वी क्षेत्र के बुन्देली रूप ३९७

शुद्ध बुन्देली ३९७, जालोन जिले की बुन्देली ३९७, हमीरपुर मध्य एवम् पश्चिमोत्तर

भाग की बुन्देली ४००, बुन्देली का लोधान्ती रूप ४०१, बनाफरी ४०३, बुन्देली-प्रधान बनाफरी ४०५, महोबा-बरखारी क्षेत्र की बनाफरी ४०५, लौंड़ी-क्षेत्र की बनाफरी ४०९, बनाफरी की विशेषताएँ ४११, ध्वन्यात्मक विशेषताएँ ४११, रूपात्मक विशेषताएँ ४११, काल विषयक कुछ विशेषताएँ ४१३, बुन्देली का कुन्द्री रूप ४१४, पूर्वी तटवर्ती कुन्द्री ४१५, हमीरपुर जिले की कुन्द्री ४१६, बुन्देली का निमट्ठा-रूप ४१७, बुन्देली का तिरहारी रूप ४१७, जालोन जिले की तिरहारी ४१८, हमीरपुर की तिरहारी ४१९, पूर्वी क्षेत्र के अन्य बघेली-मिश्रित रूप ४२०, कटनी क्षेत्र का बोली रूप ४२१, सिहोरा-क्षेत्र की बोली ४२१, सिहोरा-क्षेत्र का बोली-रूप ४२२, पाटन तहसील की बुन्देली, जबलपुर तहसील का बोली-रूप ४२३ ।

११. पश्चिमी क्षेत्र के बुन्देली रूप ४२५

पश्चिमी मुरैना क्षेत्र ४२५, श्यौपुर क्षेत्र का बोली-रूप ४२५, विजयपुर-क्षेत्र की बोली ४२७, बड़ौदा-क्षेत्र का बोली-रूप ४२९, पश्चिमी शिवपुरी की बोली ४३१, पश्चिमी गुना जिले की बुन्देली ४३२, पश्चिमी विदिशा का बुन्देली-रूप ४३३, सीहोर जिले की बुन्देली ४३५, भोपाल-क्षेत्र का बोली-रूप ४३५, बेरसिया क्षेत्र की बुन्देली ४३५, सिहोर-क्षेत्र का बोली-रूप ४३६, आष्टा-क्षेत्र की बोली ४३७, पश्चिमी होशंगाबाद जिले का बोली-रूप ४३८, हरदा-क्षेत्र ४३९।

१२. मध्यवर्ती क्षेत्र के बुन्देली रूप ४४०

झाँसी जिले की बुन्देली ४४०, ललितपुर का बुन्देली-रूप ४४५, दतिया जिले की बुन्देली ४४६, टीकमगढ़-ओरछा की बुन्देली ४४७, टीकमगढ़ की बुन्देली ४४८, ओरछा-क्षेत्र की बुन्देली ४४९, छतरपुर एवम् पश्चिमी पन्ना की बुन्देली ४५०, छतरपुर की खटोला बुन्देली ४५१, पश्चिमी पन्ना का खटोला-रूप ४५२, दमोह (उत्तरी क्षेत्र) का खटोला-रूप ४५३, सागर जिले की बुन्देली ४५४, बण्डाक्षेत्र ४५४, सागर क्षेत्र ४५५, देवरी-क्षेत्र ४५६, मध्य और पश्चिमी दमोह की बुन्देली ४५७, विदिशा जिले की बुन्देली ४५८, पूर्वी शिवपुरी जिले की बुन्देली ४५९, पूर्वी गुना जिले की बुन्देली ४६२, रायसेनजिले की बुन्देली ४६३, रायसेन क्षेत्र ४६४, ओबेदुल्ला-क्षेत्र की बुन्देली ४६५, होशंगाबाद जिला ४६५, सोहागपुर क्षेत्र की बुन्देली ४६६, होशंगाबाद-क्षेत्र की बुन्देली ४६७, नरसिंहपुर जिले की बुन्देली ४६९।

परिशिष्ट

(१) निमाड़ी और बुन्देली का तुलनात्मक अध्ययन ४७१
(२) सन्दर्भ ग्रन्थ ४९८
(३) पारिभाषिक शब्दावली ५०२
(४) सूचक और सहायक ५१३
(५) संक्षिप्त शब्दकोश ५१६